

संपादकीय प्लास्टिक से होने वाला नुकसान रोकना होगा

उम्मीदों के आसमां पर मोहन सरकार

नए साल 2024 के पहले दिन सियासत, समाजसेवा और परीक्षा व प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले सभी जांबाजों के लिए शुभकामनाएं। जिन्हें मंजिल मिल गई है उन्हें ढेरों बधाइयां। मगर ध्यान रहे कामयाबी की बारिश और असफलताओं की बाढ़ के साथ ही जीवन की परेड भी जारी है। इसमें जो मंजिल पर पहुंच गए हैं वे घमंड ना करें और जो पीछे रह गए हैं वह गम ना करें। सबको पता है जब परेड होती है तो उसमें अबाउट टर्न याने पीछे मुड़ की कमांड भी दी जाती है। इसलिए जो पीछे हैं वे निराश न हों ज पता नहीं जिंदगी कब 'पीछे मुड़' की कमांड दे दे और आप अंतिम से प्रथम हो जाओ। हाल ही दिसम्बर में पांच प्रदेशों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों ने तो यही सवित किया है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों के चयन और विभाग वितरण की परेड में पीछे मुड़ की जो कमांड मिली उसने कई पीछे वालों को आगे खड़ा कर दिया है। राजस्थान में पहली बार के विधायक से सीएम बने भजन लाल शर्मा, मप्र में उच्च शिक्षा मंत्री से मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले डॉ मोहन यादव इसकी जीती जागती मिसाल हैं। यहाँ से शुरू होती नए नेतृत्व की उम्मीदों के आसमां पर ऊँची उड़ान मध्य प्रदेश सहित भाजपा शासित तीन राज्यों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट के लिए गुड गवर्नेंस और करप्शन पर जीरो टालरेंस सबसे बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री की मंजिल पाने वाले नेताओं डॉ मोहन यादव, भजन लाल शर्मा और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय के लिए चाल चरित्र और चेहरे की चुनौती से दो-चार होना पड़ेगा। सरकार की साख के साथ करप्शन पर जीरो टालरेंस का कठिन काम करना पड़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी के इस नारे न खाऊंगा और न खाने दूंगा को अमली जामा पहनाना होगा। खल्क खुदा का मुल्क बादशाह का हुक्म कोतवाल के अंदाज़ में नए साल में करप्शन को खत्म करने का आगाज़ करने राज्य के जिले खरगौन आ रहे हैं कंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। दरअसल खरगौन में शाह साइबर तहसील योजना का शुभारंभ करने आ रहे हैं। जिसमें आमजन खासतौर पर किसानों को नामांतरण के मुद्दे पर बड़ी राहत मिल सकती है।

रमेश धवाला

सरकार का पाठ्यक्रम बनात हुए भावा पाढ़ी का जागरूक करने के लिए आवश्यक रूप से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देनी चाहिए विज्ञान ने मनुष्य को कई चीजें प्रदान की हैं, जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि। प्लास्टिक का आविष्कार भी मनुष्य की सुविधा के लिए बेकलैंड ने 1907 में किया। 20वीं सदी में प्लास्टिक के आविष्कार को एक क्रांति की तरह देखा गया, क्योंकि प्लास्टिक ने मनुष्य के जीवन को कई तरह से प्रभावित किया। प्लास्टिक एक ग्रीक शब्द प्लास्टीकोस से बना है, जिसका सीधा तात्पर्य है ऐसा नमीय पदार्थ जो किसी आकार में ढाला जा सके। 1970 के दशक में इसका उपयोग औद्योगिक तथा घरेलू क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से बढ़ा। वर्तमान समय में प्लास्टिक पैकेजिंग से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उपकरणों और हमारे दैनिक उपयोग की वस्तु बन गया है। प्लास्टिक मानव की दिनचर्या में इस प्रकार शामिल हो चुका है कि उसकी सुध की शुरुआत ही प्लास्टिक के बने दूधब्रश से होती है। आदमी जिस बाल्टी में नहाता है, कपड़े धोता है, वह भी प्लास्टिक की बनी होती है। जब वह ऑफिस के लिए अपने खाने का डिब्बा लेकर निकलता है तो वह भी प्लास्टिक का बना होता है, पानी भी प्लास्टिक की बोतल में पीता है। कहने का अभिप्राय बस इतना है कि प्लास्टिक मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। लेकिन प्लास्टिक मानव जीवन को जितनी सुविधा प्रदान करता है, उतनी ही बीमारियां भी फैलाता है। अगर हम गौर से देखें तो पाएंगे कि आधुनिक युग में प्लास्टिक मानव शत्रु के रूप में उभर कर सामने आया है और यह हमारे पर्यावरण और मानव सभ्यता के लिए दिन-प्रतिदिन खतरा बनता जा रहा है। प्लास्टिक ने समुद्र से लेकर दरिया तक, पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक हर जगह अपना विशाल साम्राज्य स्थापित कर लिया है। इस हिसाब से देखें तो हम पाएंगे कि प्लास्टिक ने मानवता का भला कम, नुकसान ज्यादा किया है। एक अनुमान के अनुसार



सरकार को पाठ्यक्रम बनाते हुए भावी पीढ़ी को जागरूक करने के लिए आवश्यक रूप से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देनी चाहिए विज्ञान ने मनुष्य को कई चीजें प्रदान की हैं, जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि। प्लास्टिक का आविष्कार भी मनुष्य की सुविधा के लिए बेकलैंड ने 1907 में किया। 20वीं सदी में प्लास्टिक के आविष्कार को एक क्रांति की तरह देखा गया, क्योंकि प्लास्टिक ने मनुष्य के जीवन को कई तरह से प्रभावित किया। प्लास्टिक एक ग्रीक शब्द प्लास्टीकोस से बना है, जिसका सीधा तात्पर्य है ऐसा नमनीय पदार्थ जो किसी आकार में ढाला जा सके। 1970 के दशक में इसका उपयोग औद्योगिक तथा घरेलू क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से बढ़ा। वर्तमान समय में प्लास्टिक पैकेजिंग से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उपकरणों और हमारे दैनिक उपयोग की वस्तु बन गया है।

वह भी प्लास्टिक का बना होता है, पानी भी प्लास्टिक की बोतल में पीता है। कहने का अभिप्राय बस इतना है कि प्लास्टिक मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। लेकिन प्लास्टिक मानव जीवन को जितनी सुविधा प्रदान करता है, उतनी ही बीमारियां भी फैलाता है। अगर हम गौर से देखें तो पाएँगे कि आधुनिक युग में प्लास्टिक मानव शत्रु के रूप में उभर कर सामने आया है और यह हमारे पर्यावरण और मानव सभ्यता के लिए दिन-प्रतिदिन खतरा बनता जा रहा है। प्लास्टिक ने समुद्र से लेकर दरिया तक, पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक हर जगह अपना विशाल साप्राञ्ज्य स्थापित कर लिया है। इस हिसाब से देखें तो हम पाएँगे कि प्लास्टिक ने मानवता का भला कम, नुकसान ज्यादा किया है। एक अनुमान के अनुसार

भारत सलाला 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन करता है। पिछले पांच वर्षों में भारत में प्लास्टिक का उत्पादन चार गुना ज्यादा हो गया है। भारत में प्लास्टिक के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा लैंड फैल्ड्स में डंप किया जाता है, जोकि नदियों को दूषित करता है। सड़कों की नालियों में पानी को अवरुद्ध करता है जोकि बाद में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया का कारण भी बनता है। अगर हम बात करें हिमाचल की तो पहाड़ों में जो जलाशय, बावड़ियों का जल गंगाजल के समान शुद्ध माना जाता था, अब प्लास्टिक के कारण मनुष्य को कई गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर आदि का कारण बन रहा है। प्लास्टिक ने केवल मानवजाति को ही खतरे में नहीं डाला है अपितु ये हमारे आपापस के जानवरों के लिए भी खतरा बन चुका है। भारत में

मुंबई, केरल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक आसपास के महासागर दुनिया के सबसे प्रदूषित महासागरों में से हैं। सर्वे के अनुसार प्लास्टिक कचड़ा दुनिया भर में कम से कम 267 प्रजातियों को प्रभावित करता है जिसमें 86 फैसदी समुद्री कछुए की प्रजातियां 44 फैसदी समुद्री पक्षी प्रजातियां और 43 प्रतिशत समुद्री स्तनपायी प्रजातियां शामिल हैं। प्लास्टिक किंतु तरह से जानवरों के लिए एक अभिशाप बन रहा है। इसका एक ताजा उदाहरण मेरे क्षेत्र ज्वालामुखी विधानसभा के लुथान में मिला जहां गौशाला में लोगों द्वारा छोड़ी गई सैकड़ों गायों को मौत हो चुकी है। इस बात की पुष्टि हुई है कि इन गायों ने प्लास्टिक खाकर हुई थी। अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन बल्ड वाइफ फंड द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व

आई.एन.डी.आई.ए का प्रधानमंत्री चेहरा कौन

अजय दाक्षता

पिछले डढ़ साल से बिहार के सुशासन बाबू नितीश कुमार ने मोदी जी को मात देने के लिए विपक्ष को एकजुट करने की शुरुआत की थी। बाद में मुख्यतः कांग्रेस की पहल पर आई.एन.डी.आई.ए. बना जो देश की एकता को लेकर प्रयत्नशील है। इसकी तीसरी बैठक विगत दिन दली में हुई। वहां ममता बनर्जी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गों का नाम प्रस्तावित किया जिसका आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल ने समर्थन किया कहते हैं। इस प्रस्ताव के पक्ष में मात्र आठ पार्टीयां हैं। शेष पार्टीयों का कहना है कि बिना विचार विमर्श किये किसी नाम की घोषणा नहीं की जानी चाहिए। यह भी कहते हैं कि मल्लिकार्जुन के नाम की घोषणा के बाद नितीश कुमार लालू यादव के साथ उठ कर चले गये। उन्होंने फोटो सेशन में भी भाग नहीं लिया और मीटिंग के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस से भी गायब रहे। लालू यादव की बात समझ में आती है। नितीश कुमार जब विहार से बाहर जायेंगे तभी उनका पुत्र तेजस्वी यादव बिहार का मुख्य मंत्री बन सकता है। १८लैण्ड फॉर जॉब्स में वह आरोपी हैं। देर सबेर उसमें सजा होकर रहेंगी। लालू यादव हैल्थ ग्राउण्ड पर जेल से बाहर हैं पर सक्रिय

राजनीति में भाग ले रहे हैं। यूं महाराष्ट्र में अजीत गुट के वरिष्ठ जो पहले के मंत्रिमंडल में भी थे, अब हैल्थ ग्राउण्ड पर सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर होकर भी विधानसभा में बैठते हैं—पर सत्ता पक्ष की ओर से। तो बी.जे.पी. को अब लालू यादव पर सवाल उठाने का नैतिक आधार नहीं है। यूं मल्किकार्जुन खड़गे ने स्वयं कहा है कि लोक-सभा के चुनाव के बाद 2024 में हमारी जितनी सीटें आती हैं, उसके बाद ही प्रधानमंत्री का नाम तय हो सकता है। यूं ममता बनर्जी, अरविन्द केरीवाल, अखिलेश यादव, नितीश कुमार तथा अन्य दलों के नेताओं की भी ख्वाहिश प्रधानमंत्री बनने की है। असल में ये नेता अपने-अपने प्रदेश की स्थानीय पार्टी से सम्बन्धित हैं। इनका जनाधार अपने प्रदेश के बाहर नहीं है। अरविन्द केरीवाल कह सकते हैं कि उनकी पार्टी दिल्ली और पंजाब दो राज्यों में है। परन्तु दिल्ली में तो कठुनाली सरकार है। यूं भी आम आदमी पार्टी शाराब घोटाले में आरोपी है। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जेल में हैं। स्वयं अरविन्द केरीवाल को ईडी का समन जा चुका है। ममता बनर्जी मात्र पश्चिमी बंगाल तक सीमित है। अखिलेश यादव का कोई असर यू.पी. के बाहर नहीं है। ममता बनर्जी ने खड़गे का नाम लेकर गुगली खेली है। खड़गे अब 81 वर्ष के हो गये हैं। कर्नाटक से सम्बन्धित हैं। यूं हिन्दी फर्स्टे के

जितनी सीटें आती हैं, उसके बाद ही प्रधानमंत्री का नाम तय हो सकता है। यूं ममता बनर्जी, अरविन्द केरीवाल, अखिलेश यादव, नितीश कुमार तथा अन्य दलों के नेताओं की भी ख्वाहिस प्रधानमंत्री बनने की है। असल में ये नेता अपने-अपने प्रदेश की स्थानीय पार्टी से सम्बन्धित हैं। इनका जनाधार अपने प्रदेश के बाहर नहीं है। अरविन्द केरीवाल कह सकते हैं कि उनकी पार्टी दिल्ली और पंजाब दो राज्यों में है। परन्तु दिल्ली में तो कठपुतली सरकार है। यूं भी आम आदमी पार्टी शाराब घोटाले में आरोपी है। मध्यप्रदेश में तो अब केन्द्र के भूतपूर्व मंत्री और सांसद अब मात्र विधायक हैं। नरेन्द्र सिंह तोमर केन्द्र में कृषि मंत्री थे। वे अब मात्र स्पीकर हैं। यूं भाजपा ने कहते हैं नरेन्द्र सिंह तोमर पर दया ही की है। खड़गे बहुत गरीबी में जिये हैं। सन् 1940 में उनकी मां और बहन को जिंदा जला दिया गया था। उनके पिता एक मजदूर थे। किसी तरह खड़गे पढ़कर वकील बने। अभी हाल में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 98 सीटों में उसने 57 सीटें जीती जो अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित थी। कांग्रेस को मात्र 40 सीटें मिलीं। समय बतलायेगा कि क्या आई.एन.डी.आई.ए. भाजपा को मात दे सकता है? अभी तो सन् 2024 में मोदी जी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने दिख रहे हैं?

नया साल.....हैप्पी रीडिंग!

श्रुति व्यास

पिछली रात दुनिया ने गुजरे हुए कल के दुःख और आने वाले कल की आशा के मिलेजुले भाव के साथ नए साल में प्रवेश किया। उम्मीद है, दुनिया को किन्या साल 2023 से बेहतर होगा! वह उसे बेहतर बनाने के लिए प्रयास करने को तत्पर भी है। युद्ध न हों, लोग सहस्रद्विधि और कॉमन सेंस से काम लें, क्लाइमेट चेंज से होने वाला विनाश केवल एक दुस्विष्ट बना रहे, न कि व्यथार्थ बने ड़ूँ और दुनिया को ऐसे नेता मिलें जिन्हें निरंकुश सत्ता की भूख न हो। व्यक्तिगत तौर पर मेरे, आपके और मेरे-आपके जैसे बहुत से लोगों के न्यू ईयर संकल्पों की सूची में शामिल होगा अपना स्वास्थ्य बेहतर बनाना, ज्यादा फिट, समझदार और समृद्ध बनना, देना सीखना, धैर्यवान बनना और सबसे बढ़कर ज्यादा खुश रहना। और इस सुवह हमने अपने कुछ नहीं किया है।

A large sand sculpture of the year 2022, with a cityscape in the background.

A large, colorful mural painted on a hillside. The main text 'Happy New Year' is written in a stylized, bubbly font, with 'Happy' in blue and 'New Year' in red. Below the main text, there is a smaller section of the mural featuring a landscape with trees and buildings. Above the mural, a banner reads 'Art by Manas K' and 'Inter'. The entire scene is set against a backdrop of a city skyline under a clear blue sky.

जल्द निकले हल, ड्राइवरों की हड़ताल

हफते बाद हम में से ज्यादातर को यह याद भी नहीं रहेगा कि हमने क्या संकल्प लिया था। मगर वह परंपरा का तकाजा है कि न्यू ईंथर पर नए संकल्प लिए जाएं और वह परंपरा निश्चित ही बेबीलोन की सभ्यता जितनी पुरानी है। हाँ, करीब चार हजार साल पुरानी बेबीलोन की सभ्यता वह सबसे पुरानी मानव बसाहट है जिसके बारे में हमें पता है कि वहां नए साल का जश्न मनाया जाता था। उनका नया साल जनवरी में नहीं बल्कि मार्च के मध्य में शुरू होता था, जब फसलें बोई जाती थीं। बारह दिन तक चलने वाले नए साल के जश्न में जीवन के चक्र की नई शुरूआत का उत्सव मनाता था, जिसे अकीतू कहा जाता था। अकीतू से ही नए कृषि कैलेंडर की शुरूआत होती थी। अकीतू के दौरान ईंथर को प्रसन्न करने के लिए लोग वायदा करते थे कि वे अपने कर्ज चुकाएंगे और जो चीजें उहोंने दुसरों से उधार ली

पर कुपित हों। ऐसे ही प्राचीन मिस्र के निवासी नील नदी के देवता हापी को बलि चढ़ाकर जुलाई में अपने नए साल का आगाज़ करते थे। जुलाई में नील में हर साल आने वाली बाढ़ का पानी उत्तरता था और अपने पीछे अत्यंत उपजाऊ मिट्टी छोड़ जाता था। हापी की आराधना करके और उन्हें बलि चढ़ाकर मिस्रवासी उमीद करते थे कि आने वाले साल में उनके सितारे बुलंद रहेंगे, फसलें लहलहाएंगी और उनकी सेनाओं को एक के बाद एक जीत हासिल होगी। ऐसा ही कुछ प्राचीन रोम में भी होता था मगर एक अलग तारीख पर 146 ईसा पूर्व में सप्राट जूलियस सीजर, जिन्हें सुधार और परिवर्तन लाने का बहुत शौक था, ने कैलेंडर से थोड़ा छेड़छाड़ कर 1 जनवरी को नए साल का पहला दिन बना दिया। साल के पहले महीने का नाम रोमन देवता जेनस के नाम पर जनवरी रखा गया। दो महंगे

में लिखा था कि वह अपने नए साल के संकल्प बाईबल से लेती है जैसे मैं किसी को ठेस नहीं पहुचाऊंगी। इस तरह के धार्मिक वायदे आज के न्यू ईयर संकल्पों के पूर्वज थे। आधुनिक काल में वैश्विकरण हुआ और अब सोशल मीडिया ने हमारी जिंदगी के हर पहलू में घुसपैठ कर ली है। अब नए साल के संकल्प धर्मनिरपेक्ष बन गए हैं। हिन्दू, मुसलमान, अनीश्वरवादी, नास्तिक सभी नए साल पर संकल्प लेते हैं। यह बात अलग है कि एक जनवरी को लिया गए संकल्प का पालन सात जनवरी तक भी जारी नहीं रहता। एक बात और। हम अपनी परंपराएं और अपना नववर्ष भूल गए हैं। मुझे तो चैत्र के शुक्ल पक्ष के पहले दिन नए साल का संकल्प लेना ज्यादा अच्छा लगता है। यह दिन मार्च-अप्रैल में आता है जब मौसम खुशनुमा होता है, धूप भली-सी लगती है और पेड़-पौधे खिले-खिले से होते हैं। मगर जो सब कर रहे हैं वह हमें भी करना ही पड़ता है और इसलिए हम सभी ने ठंडी, कोहरे से भरी रात में जाम से जाम टकराए और नए साल का स्वागत किया। बहरलाल, जैसे-जैसे एक जनवरी सभी के नए साल की शुरूआत बनती गई, जैसे ही नए साल के संकल्पों की प्रकृति भी बदलने लगी। अब उनमें धार्मिकता का पुट नहीं बचा। अब कोई अपने ऋग चुकाने और किसी को ठेस न पहुंचाने जैसे संकल्प नहीं लेता। अब तो सब कुछ ‘मैं’ और ‘मेरे’ के आसपास घूमता है। आज सुबह उठने के बाद आपने जब अपना इंस्टा या एक्स एक्सांट खोला होगा (दिन की शुरूआत मोबाइल की स्क्रीन निहारने से न करने के पिछली रात के संकल्प के बावजूद) तो आपने देखा होगा कि आपके मित्रों ने कुछ इस तरह के संकल्प लिए हैं मैं अपने से प्यार करूँगा, मैं खुद पर दया करूँगा मैं अपनी खुशियों को प्राथमिकता दूँगा, मैं खुद के प्रति कृतज्ञ रहूँगा आदि, आदि। मैं तो यह मानती हूँ कि सबसे बढ़िया संकल्प यही है कि कोई संकल्प न लिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

चंपारण्य धाम में रविवार से श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन, माहेश्वरी सभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेशक माहेश्वरी सभा के मार्गदर्शन एवं धर्मतरी जिला माहेश्वरी सभा के तत्वाधान में महाप्रभु

वल्लभाचार्य की प्राकट्य स्थली चम्पारण्य धाम में श्री शिव महापुराण कथा का पाठ आयोजन सत्र द्वारा भव्यता के साथ किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी कवित राठी ने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा 7 जनवरी से प्रारंभ होगी जिसमें दोपहर 12 बजे महिलाओं द्वारा भव्य कलश के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। वर्ती स्थानीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष शमिल एवं धर्मतरी जिला माहेश्वरी सभा के संस्करक कस्तुरचन्द राठी, उपाध्यक्ष द्वारकादास चाण्डक, कार्यक्रम संयोजक मुलचन्द लालू, प्रदेश सभा कार्यकारी सदस्य ताराचन्द चाण्डक, धर्मतरी जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अर्धमंत्री उमा चाण्डक, स्थानीय माहेश्वरी महिला मण्डल अध्यक्ष ज्योति लालू, युवा मण्डल अध्यक्ष योगेश लालू ने बताया की प्रतिविन तय समय के अनुसार दोपहर 3 से 7 बजे तक कथा होगी जिसके बाद 13 जनवरी को यज्ञ एवं पूर्णाहुती का कार्यक्रम संपन्न होगा। बन्दवान बुधाधाम के संत महामण्डलेश्वर आचार्य स्वामी श्री भागवत महाराज के मैदान में यह कथा प्रवाहित होगी है।

अंतर्राष्ट्रीय तेलुगु सम्मेलन में शामिल हुए राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन



रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज अंतर्राष्ट्रीय केंद्रीय तेलुगु महासभा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि तेलुगु भाषा सभी भारतीय भाषाओं में से तीसरी सर्वात बोली जाने वाली भाषा है और आज दुनिया भर में 10 करोड़ से ज्यादा लोग तेलुगु बोलते हैं। भाषा संस्कृतीय और सभाविक मूल्यों में गिरावट आ रही है, ऐसे समय में जब भाषा और सांस्कृतिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से समाज में जीवन का संचार होगा और युवा पीढ़ी इससे लाभान्वित होगी। चैतन्य एजुकेशन रूप और और अंत्री सारस्वत परिषद द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सद्गु बीएसयूपी कॉलोनी में मकान मालिक श्रीमती पुष्पा मारकंडे के नाम से पहली रजिस्ट्री दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक -9 के राजपत्र विभाग के सत्र प्रयोग से एवं नगर पालिक निगम रायपुर के अधिकारी श्री अयोग्यम शिंदा के दिनें, अपर आयुक्त राजस्व श्री अधिकारी अग्रवाल, उपायुक्त राजस्व डॉ. आर. के. डोंगर, जोन 9 जोन कमिशनर श्री संतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर निगम जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 के तहत केन्द्र प्रवर्तित बीएसयूपी आवासीय कॉलोनी में ब्लॉक नम्बर 5 के मकान नम्बर 6 के रहवासी मकान मालिक श्रीमती पुष्पा मारकंडे परिवार की अपर सिंह वृद्धालौ जोन के नाम से पहली रजिस्ट्री दर्ज की गयी है। नगर निगम राजस्व विभाग ने केंद्र प्रवर्तित बीएसयूपी योजनाओं की आधार और ढाँचा प्रदान की गयी है। ऐसे समय में जब भाषा और सांस्कृतिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से समाज में जीवन का संचार होगा और युवा पीढ़ी इससे लाभान्वित होगी। चैतन्य एजुकेशन रूप और और अंत्री सारस्वत परिषद द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

रायपुर मुख्य मार्ग के लगभग सौ चिल्हर दुकानें महादेवघाट विसर्जन कुण्ड समीप व्यवस्थापित

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर श्री एजेंज डेवर एवं आयुक्त श्री अविनाश शिंदा के आदेशनुसार नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 की टीपू ने जोन क्षेत्र के तहत महादेवघाट रायपुर मुख्य मार्ग में प्रति बारी लगभग 60 सब्जी एवं लगभग 40 टेले व्यवसायियों के द्वारा भवान लगभग 100 व्यवसायियों को रायपुर मुख्य सड़क से ले जाकर महादेवघाट विसर्जन कुण्ड के समीप नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 द्वारा चिह्नित वेंडर जोन में व्यवस्थित कर दिया है, इससे वहाँ के रहवासियों, वाहन चालकों, राहगिरों को यातायात जम से ही रही असुविधा के दूर होने से तकाल काफी राहत मिली है। नगर निगम जोन 8 द्वारा भविष्य में रायपुर मुख्य मार्ग की सड़क पर बाजार लगाया जाना पूरी तरफ से प्रतिवर्धित कर दिया गया है। भविष्य में वहाँ सड़क पर बाजार लगाया जाने की स्थिति मिलने पर नियमनुसार कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत 76 करोड़ रुपए से अधिक की तृतीय किस्त जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्यान्ध भोजन) योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 76 करोड़ 2 लाख 90 हजार रुपए की तृतीय किस्त संस्कृत नोडल एंजेंसी के खाते में अबांटित कर दी है। लोक शक्ति संचालनालय द्वारा जिलों को जारी तृतीय किस्त में से मटरियल कास्ट के लिए 33 करोड़ 77 लाख 31 हजार रुपए, रसोईया मानदेय 40 करोड़ 75 लाख 40 हजार रुपए और एम.एम.ई. (प्रबंधन) के लिए एक करोड़ 49 लाख 75 हजार रुपए की राशि अबांटित की गई है।

राष्ट्रीय अधिवेशन 20-21 जनवरी को वरिष्ठ व विशिष्ट पत्रकारों का होगा सम्मान

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान पत्रकार, संपादक, विद्वान, लेखकों को महासंघ के राष्ट्रीय धर्मनोदे, रत्नालम में दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में जैन पत्रकार, संपादक, विद्वान, लेखक एकत्र होंगे सम्मेलन में लालू जी गाँधी स्मृति जैन पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न होंगे जिसमें देश के वरिष्ठ, विशिष्ट जैन

मुनिश्री संधानसागर जी महाराज ने कहा- स्थान नहीं, नेचर बदलो

एलोरा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य युवा तरुणाई के प्रखर वक्तव्य मुनिश्री 108 संधानसागर जी महाराज ने कहा कि विद्यालय नहीं नेचर बदलो, कार्य नहीं-कारण बदलो, स्थान नहीं-नेचर बदलो, दूसरों को नहीं स्वयं को बदलो। मुनिश्री जी ने मंदिर के इंगिलिश वर्ड की व्याख्या की। उहनोंने कहा कि मंदिर के प्रथम अक्षर एवं कह कर देता है कि चेंज योर माइन्ड, चेंज योर एकवर, एन कहा रहा है कि चेंज योर नेचर, डेस्टिनेशन को बदलो, इन्टररेस्ट (रुचि) को बदलो एवं अर

ने कहा कि दावागिन- बड़वागिन- जरागिन एवं कथायानिं से संसार जल रहा है, बस ध्यागिन को अपने जीवन में अपना लो जीवन शीतल बन जाएगा। भगवान की स्तुति करते हुए कहा कि मुनिश्री जी ने यह संसार प्राणी अनादिकाल से संताप से व्याकुलित है। पूजा की पवित्रता साथसे अन्यतों के अवधारणा व्यापी है। भगवान की वाणी चरुपुर्ति के जीवों का कल्याण करने वाली होती है। इसी वाणी के द्वारा विषयों की अधिलापा की मुर्छा को दूक लेकर सकते हैं। मुनिश्री जी को युवा पूर्ण करने वाले युवा नामिक अपना नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। बोरर हेल्प लाइन एप अथवा वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध है। मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी 2024 से दावा-आपत्ति प्राप्त करने की अवधि प्रारंभ हो जाएगी। सभी नामांकन 08 फरवरी 2024 को दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी 2024 को किया जाएगा।

राजनीतिक दलों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में दी गई जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ श्रीमती रीता बाबा साहेब कंगाले द्वारा सञ्चय स्तर पर सभी मानवता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ 05 जनवरी 2024 को निर्वाचन प्राप्ति के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में बातों गया कि राज्य में 1,01,49,798 (पुरुष), 1,02,72,119 (महिला), कुल-739 (थर्ड जेंडर) कुल-2,04,22,656 मंजूकृत मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रिट्रित करना जाने हेतु इस राज्यालय के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बारे में आयोजित की गयी।

सनत कुमार इन्द्र मोदी प्रकाश चंद्र प्रशांत कुमार प्रिंस जैन पारौन, महेंद्र इन्द्र डॉ. महेंद्र कुमार जैन, विधि नायक मोदी कमल कुमार कपिल जैन गौतम मोदी ब्रह्म बसार, ब्रह्म इन्द्र अनंद कुमार सोरभ मोदी, ब्रह्मोत्तर इन्द्र सुकमाल कुमार सुधी चौधरी, मंडप सनत कुमार इन्द्र लोक प्रशांत कुमार अधिकारी विधि निर्वाचन पदाधिकारी आयोजित करने की अवधि प्रारंभ हो जाएगी। सभी नामांकन 08 फरवरी 2024 को किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रदेश की मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रिट्रित करना जाने हेतु इस राज्यालय के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में बैठक आयोजित की गयी।

सनत कुमार इन्द्र की विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बारे में आयोजित की गयी।

सनत कुमार इन्द्र की विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बारे में आयोजित की गयी।

सनत कुमार इन्द्र की विशेष संक्षिप

संक्षिप्त समाचार

एसएमसी हॉस्पिटल द्वारा नि-शुल्क स्वास्थ्य शिविर 7 जनवरी को महाराष्ट्र मंडल में



रायपुर (विश्व परिवार)। एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर व महाराष्ट्र मंडल के संयुक्त तत्वधान में विश्वार 7 जनवरी को विशाल नि-शुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शहर के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. तीरथी सुवर्णी शिविर स्थानिक स्पेशलिस्ट डॉ. प्रताप शुरांशु, जवांगढ़ रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. सौरभ खेरे, न्यूरोसर्जन डॉ. घनश्याम सासारपदी, लैप्रोकोपिक व लेजर सर्जन डॉ. वैश्व सिंगा, प्रेस्ट्रोलाइजर्स्ट डॉ. संजय अग्रवाल जैसे डॉ. अपनी सेवाएं देंगे। इस शिविर में विभिन्न जांचे जैसे बी.पी.शुरांशु, डॉ. सी.जी.लिपिड प्रोफेशनल, एच.बी.ए. 1 सी.आदि पूर्णांग नि-शुल्क रहेंगी। हृदय रोग, निःसंतान दंपत्ति, पेट रोग/ लिवर, मस्तिश रोग, जोड़ प्रत्यारोपन, हर्निया-पाइल्स/ पित्त थैली की पथरी, सर्जिकल समस्याएं से पीड़ित रोगी नि-शुल्क परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। अग्रिम रजिस्ट्रेशन हेतु 0771-2254434, 7747995994 पर संपर्क करे। जात रहे एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर का प्रसिद्ध हॉस्पिटल है जो विधानसभा रोड में स्थित है।

सुशासन दिवस पर निर्बंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए सम्मानित, देवाशीष, अदिति व लक्ष्मी रहे अवल



रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन दिवस पर नालंदा परिसर और सेंट्रल लाइब्रेरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए भारत रत्न 'अटल बिहारी वाजपेयी' जी की कार्यक्रम में डॉ. जीवन प्रभात विषय पर निर्बंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 120 प्रतिभागियोंने हिस्सा लिया। प्रतियोगियोंने देवाशीष पटेल पर प्रथम स्थान, अदिति चौधेरी ने द्वितीय स्थान व निर्मलकर ने तीसरी स्थान प्राप्त किया। विजेता एवं प्रतिभागियोंने देवाशीष पटेल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता एवं प्रतिभागियों को उप संचालक रोजगार शिक्षिका अनुलक, रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के महाप्रबंधक जनसंपर्क अशीष प्रिया, जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल व पाथ एकड़ी की को-ऑफिसिनेटर योगिता हुड़ा के हाथों प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व नानार रस्ता देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन नालंदा परिसर को लाइब्रेरियन मंजुला जैन व सेंट्रल लाइब्रेरी की लाइब्रेरियन माधुरी खलकों द्वारा किया गया।

सरकार द्वारा देश में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमत को संबोधित करने भारत में 57 LMT गेहूं का स्टॉक ई-नीलामी के लिए रखा गया।

रायपुर (विश्व परिवार)। सरकार द्वारा देश में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमत को संबोधित करने के लिए। भारत में, 57 LMT गेहूं का स्टॉक ई-नीलामी के लिए रखा गया है। भारतीय खाद्य निगम, छत्तीसगढ़ क्षेत्र ने 03.01.2024 तक ई-नीलामी में खुली ताकिया जारी कियी गयी। इसके लिए 66700 मीट्रिक टन की पेशकश बाजार में की है। दिनांक 03.01.2024 की ई-नीलामी में 29 से अधिक बोलीदाताओं ने भाग लिया और 3500 मीट्रिक टन की मात्रा बेची गई। दिनांक 10.01.2023 की ई-नीलामी के लिए छत्तीसगढ़ क्षेत्र में आपेक्षित एसएसएस (डी) योजना के तहत 3500 मीट्रिक टन गेहूं की पेशकश की जाएगी। प्रासेसर/आटा मिलसंनिर्माताओं ने गेहूं के अंतिम उपयोगताओं को दिनांक 10.01.2024 की ई-नीलामी में गेहूं की बिक्री के लिए भाग लेने की अनुमति है। संघावित बोलीदाताओं को अधिक मात्रा के लिए बोली लगाने में सक्षम बनने के लिए, प्रति ई-नीलामी गेहूं की अधिकतम बोली मात्रा 200 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 250 मीट्रिक टन कर दी गई है। संघावित खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा दस्तावेज को अच्छी तरह से दें। इसके अलावा, डीएफीडी की कर से उत्तरों का निर्णय लिया है। और सहकारी संगठन, यानी, केंद्रीय भूमि एवं एनएफईडी, औपर्युक्त एसएस (डी) के तहत उकारित गेहूं को आटा में प्रतिवर्तित करने और इसे भारत आटा ब्रांड के तहत जनता को बिक्री के लिए पेश करने हैं, जिसका एमआरपी 27.50 रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। इस संबंध में 10.02.2023 को घोषित अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निवाचन केन्द्रों में होगा मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन।

● 6 जनवरी से 22 जनवरी तक मतदाता सूची में संशोधन हेतु नागरिक दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे।

● 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने आवेदन दे सकेंगे।

● 13 व 14 जनवरी को मतदाता केन्द्रों में आयोजित होंगे दी दिवसीय विशेष शिविर।

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निवाचन आयोग, नई-दिल्ली द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 के द्रुग्रात प्रदेश के नागरिकों का मतदाता सूची में नाम जंजीयन, विलोपन, स्थानतंत्रण एवं प्रविष्टि में किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण वार्षिक कार्यक्रम वर्ष-2024 आयोग कर दिया गया है।

इस अवधि में प्रास सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करना जारी किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचन प्राधिकारी कार्यालय के वेबसाइट <https://www.eciindia.org> पर भी किया गया।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्तर पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ 05 जनवरी 2024 को बैठक आयोजित की गई।

मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी की स्थिति में राज्य में 01, 49, 798 (पुरुष), 01, 02, 72, 119 (महिला), कुल 739 (थर्ड जेंडर), कुल 2, 04, 22, 656 जंजीयत मतदाता हैं। वर्तमान में राज्य मतदाता केन्द्रों की संख्या 24109 है। मतदाता सूची में दिव्यांग (क्लॉब्टर) निर्वाचक मतदाताओं की संख्या प्रारंभिक प्रकाशन में कुल 1, 62, 215 है। 01 जनवरी 2024 की स्थिति में 18-19 आयुर्वंश समूह के

बुल मतदाताओं की संख्या 4, 94, 452 है।

बुरंग नागरिकों के विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवधि में प्रास सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करना जारी किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प्रकाशन के लिए एसएसएस (डी) योजना को प्रतिवर्तित करने के लिए प्रयत्न किया गया। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदाता केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचक कार्यालय के विशेष प्रारंभिक प